

हुंढाड़ी

भासा की फोटू बरणमाला
कताब



**ढुंढाड़ी भासा की फोटू बरणमाला कताब
(Alphabet Picture Book in Dhundari)**

© निर्माण सोसायटी-2018

छापबाळो - बरस

जुलाई- 2018, सवत-सांवण-2075

छपबाळी कताबां की संक्या-200

लखबाळा:

रामजी लाल बैरवा, पूरण मल बैरवा अर बजरंग लाल बैरवा

सायता करबाळा:

मुकेश कुमार योगी, कविता योगी अर ढुंढाड़ी समुदाय

टाईपसेटिंग

रतन लाल योगी

सम्पर्क-सूत्र:

निर्माण सोसायटी

वार्ड न.-6, तकिया मस्जिद के पास, काली हवेली के पीछे,
देशवालियों का मोहल्ला, चाकसू, जयपुर, राजस्थान-303901

Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in

Web- www.nirmaan.org.in

Ph.01429-243997

सब अधिकार सुरक्षित है।

प्रकाशक की अग्रिम लिखित अनुमति के बिना, इस प्रकाशन का कोई भी भाग आण्विक, यांत्रिकी, रिकॉर्डिंग व अन्य किसी भी रूप में या अन्य माध्यम से पुनः उत्पादित नहीं किया जा सकता है और न ही पुनःप्राप्ति पद्धति में इसका भंडारण किया जा सकता है, या प्रसारित किया जा सकता है।

जाणकारी

आपणी बोली ही आपणी सबसूं बडी पचाण छ। भासा, रअण-सअण अर पअराण लोगां की पचाण बतादे छ। आपां जण्डअ बी जावां, उण्डा का लोगां की बोली अर पअराण सूं जाण जावां छां। भासा, आपणा समाज, संस्करति अर रीति-रिवाजां सूं जुड़ेडी छ। आपणा रीति-रिवाज अर संस्करति नअ बचाबा कअ ताणी सबसूं पअली आपणी भासा नअ बचाबो जरूरी छ। आपणी भासा हुंढाड़ी छ। आपां ईनअ बचाबा अर जण-जण तक पूंचाबा कअ ताणी “फोटू बरणमाला कताब” बणायां छां। या कताब हुंढाड़ी भासा की स्वर अर ब्यंजना की कताब छ। हुंढाड़ी भासा मअ लोगां का बोलबा का स्याब सूं 31 ब्यंजन अर 9 स्वर छ। ई कताब मअ आपणी हुंढाड़ी भासा की रीति-रिवाज, बार-तुंवार अर आपणा बोलचाल सूं जुड़ेडी फोटुवां नअ बरणमाला मअ सबदां का स्याब सूं लगायेडी छ। सारी बरणमाला ई कताब मअ आगी, ई कताब मअ हर ब्यंजन अर स्वर का आंकड़ा सूं बणबाळा तीन सबद अर वांकी फोटुवां दियेडी छ। जादातर सबद मअ आंकड़ा नअ सुरू मअ लेबा की कोसिस कर्यां छां पण कोई-कोई आंकड़ा अस्यांन का बी छ, जियां (ण, ळ, ड़) नअ सुरू मअ जोड़बा सूं कोई बी फोटुवाळो सबद कोन बणअ, जिसूं अस्यांन का आंकड़ा नअ सबद कअ बीच मअ या फेर अन्त मअ बी जोड़ेडा छ। या कताब थानअ फोटुवां सूं स्वर अर ब्यंजना की पचाण करावअली, जिसूं थे आंकड़ा नअ पचाणाबो सीखज्याला। ई कताब सूं थे सबदां नअ पडबा अर माण्डबा लागज्याला, जिसूं दूसरी कताब नअ पडबा की तयारी कर सकअ छ अर आगअ की कताबां नअ पडबा बेई अपणा-आप नअ तयार कर सकअ छ। ई कताब सूं या कोसिस कर्यो जाय्यो छ कअ, अणपड लोग जादा सूं जादा पड-लिखर साक्सर बण सकअ।

अ



अण्डो



अलगोजा



अक्यो

आ



आलडी



आरी



आरण

इ



इण्डी



इमली



इन्दरधनुस

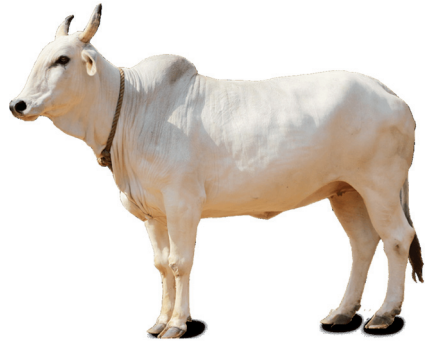
इ



ईट



रई



गाई

उ



उण्णो

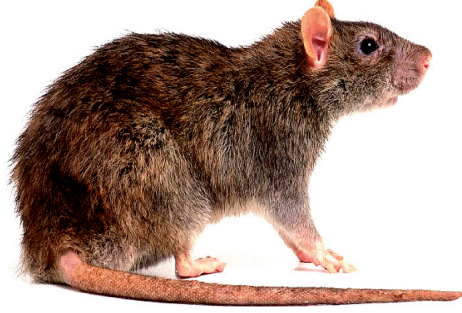


उड़द



उजळी

ऊ



ऊन्दरो



ऊन



ऊंटगाडी

ए



एकतारो



एरा



एडी

ओ



ओगन्यां



ओखळी



ओळा

अं



अंगोचो



अंगूर



अंगीरा

क



कमेड़ी



कत्तणी

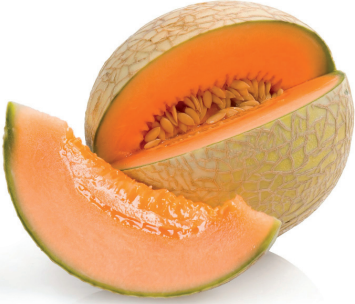


कळी

ख



खरपो

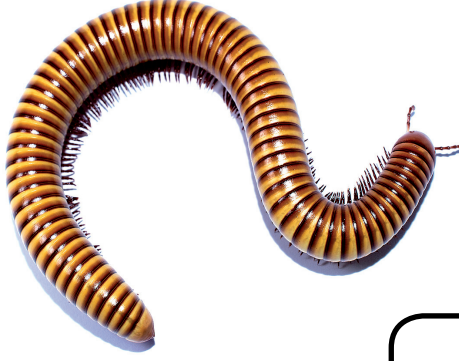


खरबूजो



खलेती

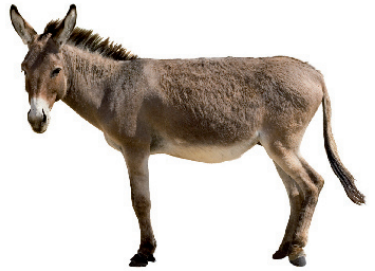
ग



गजाई



गल्लो



गधो

घ



घर



घड़ी



घण

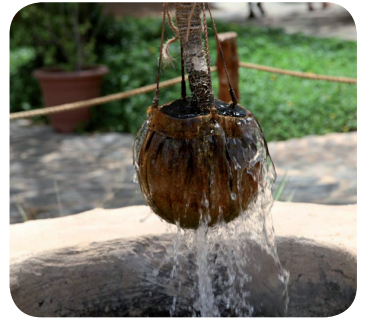
च



चरी



चलम



चड़स

छ



छत्तर



छल्लो



छपरो

ज



जग



जरख



जळमुरगी

झ



झळ



झरणो



झण्डो

ट



टमेटर



टणका



टडू

ठ



ठठेरो



गांठड़ी



ठप्पो

ड



डमरू



डकाव



डण्टळ

ह



हकणो



हकणी-गोरखरू



हपली

ण



बेलण



जामूण



सण

त



तरसूळ



तक्तो



तरपाल

थ



थड़ी



थड़ो



थरमस

द



दरी



दम्मी



दताळी

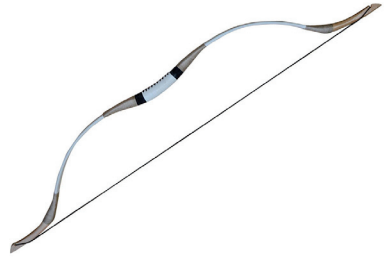
ध



धणो



धतूरो



धनुस

न



नकचूटो



नळयो



नरजो

प



पतकाळी



पपइयो



पणडखजूर

फ



फण

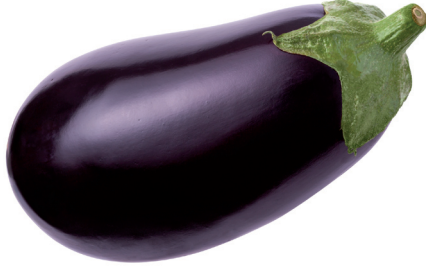


फुलो

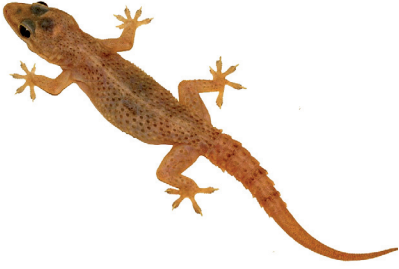


फलो

ब



बअंगण



बसमरी



बतक

भ



भगुनी

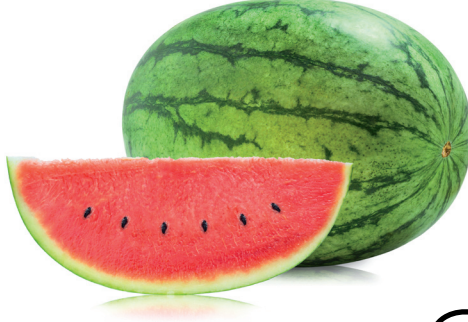


भट्टो



भळडी

म



मतिरो



मसक



मजीरा

य



यग



कोयलो



कोयल

र



रजाई



रथ



रकम

ल



लसण



लट



लळडी

व



वकील

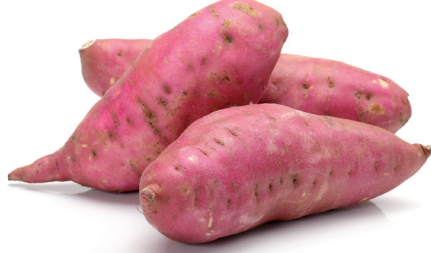


नाव



बाकीसेव

स



सकरकन्दी



सअनाई



सकरो

ह



हतोड़ी



हळद



हतकड़ी

ळ



बागळ



नारेळ



फळ

ड़



बड़



कड़ू



कुड़ीसी

हुंढाड़ी वरणडाला

स्वर

अ आ इ ई उ
ऊ ँ ओ अं

ब्यंजन

क ख ग घ
च छ ज झ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व स
ह ळ ड़

